



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3CN21368	ImageGroup:	I3CN21376
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	གསུང་འབུམ། ཏཱ་ར་ནཱ་ཐ། gsung 'bum/ tA ra nA tha/
Author:	ཏཱ་ར་ནཱ་ཐ། tA ra nA tha
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a
Place:	n/a
Publisher:	n/a
Date:	n/a
Volume:	7
Total Volumes:	17
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 2019

३३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

Handwritten text in the left margin.

Handwritten text in the middle-left section.

Handwritten text in the middle-right section.

Handwritten text in the right margin.

A black and white woodblock print illustration of a seated Buddhist figure, likely a deity or high-ranking monk. The figure is depicted in a three-quarter view, seated on a lotus throne. They have a serene expression and are wearing elaborate, flowing robes. A large, circular halo surrounds the head. The background is filled with stylized, swirling patterns, possibly representing clouds or flames. The entire image is framed by a simple border.

[illegible]

संस्कृत-संज्ञा

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

105

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

41

५३५

1997

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

सुप्रसन्नमस्तु

[illegible]

[illegible]

39

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम् ।

[illegible]

[Faint handwritten text, likely bleed-through from the reverse side.]

[Faint handwritten text in Devanagari script]

[Faint handwritten Devanagari script across the bottom margin]

[Faint handwritten text in Devanagari script]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जविरचिते श्रमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading or bleed-through from the reverse side of the page.]

21

१३०४५७ मंगलवार वैशाख शुक्ल त्रयोविंशति

ཏུ་བྱས་པའི་དོན་ལྟར་གསུངས་པའི་ཁྲིམས་ཀྱི་ཐོག་ནས་ཕྱི་ལོ་༡༩༨༧

॥ श्रीगुरुदेवकी आज्ञासे ॥ १ ॥
 ॥ श्रीगुरुदेवकी आज्ञासे ॥ २ ॥
 ॥ श्रीगुरुदेवकी आज्ञासे ॥ ३ ॥
 ॥ श्रीगुरुदेवकी आज्ञासे ॥ ४ ॥
 ॥ श्रीगुरुदेवकी आज्ञासे ॥ ५ ॥
 ॥ श्रीगुरुदेवकी आज्ञासे ॥ ६ ॥
 ॥ श्रीगुरुदेवकी आज्ञासे ॥ ७ ॥
 ॥ श्रीगुरुदेवकी आज्ञासे ॥ ८ ॥
 ॥ श्रीगुरुदेवकी आज्ञासे ॥ ९ ॥
 ॥ श्रीगुरुदेवकी आज्ञासे ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

張子

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page. It appears to contain several lines of handwritten script.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1995



29

[The following text is extremely faded and illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to be a single-line entry or header at the top of a page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from another page.)

[illegible]

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

100। 101। 102। 103। 104। 105। 106। 107। 108। 109। 110। 111। 112। 113। 114। 115। 116। 117। 118। 119। 120। 121। 122। 123। 124। 125। 126। 127। 128। 129। 130। 131। 132। 133। 134। 135। 136। 137। 138। 139। 140। 141। 142। 143। 144। 145। 146। 147। 148। 149। 150। 151। 152। 153। 154। 155। 156। 157। 158। 159। 160। 161। 162। 163। 164। 165। 166। 167। 168। 169। 170। 171। 172। 173। 174। 175। 176। 177। 178। 179। 180। 181। 182। 183। 184। 185। 186। 187। 188। 189। 190। 191। 192। 193। 194। 195। 196। 197। 198। 199। 200।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

291

From 1971

卷八

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अर्जुन उवाच । पाशेभ्यः प्रमुखात्तु
 मया हस्तैश्च कृतं त्वं शूराग्रज ।
 द्रुपद उवाच । त्वं हि महाबाहो
 ज्ञानयोगात्प्रबुद्ध इति मे मतम् ।
 अत्र तु विद्यमानं ते भक्त्युपादानम् ।
 तस्मात्तु त्वां प्राप्नुयितुं शक्नुमि ।
 अर्जुन उवाच । त्वं हि महाबाहो
 ज्ञानयोगात्प्रबुद्ध इति मे मतम् ।
 अत्र तु विद्यमानं ते भक्त्युपादानम् ।
 तस्मात्तु त्वां प्राप्नुयितुं शक्नुमि ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ २ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ३ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ५ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ७ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ९ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १० ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ११ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १२ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १३ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १५ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १७ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १९ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २० ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २१ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २२ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २३ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २५ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २७ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २९ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ३० ॥

[illegible]

[illegible]

124

卷之五

॥५॥ दृष्ट्वा तु सांस्कृतिकं कलाकारं द्रष्टुं शक्यं ।

सुखी मित्रिणां सुखमयम् ।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

पञ्चमः पदः त्रैलोक्यपदः त्रैलोक्यपदः त्रैलोक्यपदः त्रैलोक्यपदः त्रैलोक्यपदः

卷之五
 五十五

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

महाराष्ट्र राज्य सरकार

1870
 1871
 1872
 1873
 1874
 1875
 1876
 1877
 1878
 1879
 1880
 1881
 1882
 1883
 1884
 1885
 1886
 1887
 1888
 1889
 1890
 1891
 1892
 1893
 1894
 1895
 1896
 1897
 1898
 1899
 1900
 1901
 1902
 1903
 1904
 1905
 1906
 1907
 1908
 1909
 1910
 1911
 1912
 1913
 1914
 1915
 1916
 1917
 1918
 1919
 1920
 1921
 1922
 1923
 1924
 1925
 1926
 1927
 1928
 1929
 1930
 1931
 1932
 1933
 1934
 1935
 1936
 1937
 1938
 1939
 1940
 1941
 1942
 1943
 1944
 1945
 1946
 1947
 1948
 1949
 1950
 1951
 1952
 1953
 1954
 1955
 1956
 1957
 1958
 1959
 1960
 1961
 1962
 1963
 1964
 1965
 1966
 1967
 1968
 1969
 1970
 1971
 1972
 1973
 1974
 1975
 1976
 1977
 1978
 1979
 1980
 1981
 1982
 1983
 1984
 1985
 1986
 1987
 1988
 1989
 1990
 1991
 1992
 1993
 1994
 1995
 1996
 1997
 1998
 1999
 2000
 2001
 2002
 2003
 2004
 2005
 2006
 2007
 2008
 2009
 2010
 2011
 2012
 2013
 2014
 2015
 2016
 2017
 2018
 2019
 2020
 2021
 2022
 2023
 2024
 2025
 2026
 2027
 2028
 2029
 2030
 2031
 2032
 2033
 2034
 2035
 2036
 2037
 2038
 2039
 2040
 2041
 2042
 2043
 2044
 2045
 2046
 2047
 2048
 2049
 2050
 2051
 2052
 2053
 2054
 2055
 2056
 2057
 2058
 2059
 2060
 2061
 2062
 2063
 2064
 2065
 2066
 2067
 2068
 2069
 2070
 2071
 2072
 2073
 2074
 2075
 2076
 2077
 2078
 2079
 2080
 2081
 2082
 2083
 2084
 2085
 2086
 2087
 2088
 2089
 2090
 2091
 2092
 2093
 2094
 2095
 2096
 2097
 2098
 2099
 2100
 2101
 2102
 2103
 2104
 2105
 2106
 2107
 2108
 2109
 2110
 2111
 2112
 2113
 2114
 2115
 2116
 2117
 2118
 2119
 2120
 2121
 2122
 2123
 2124
 2125
 2126
 2127
 2128
 2129
 2130
 2131
 2132
 2133
 2134
 2135
 2136
 2137
 2138
 2139
 2140
 2141
 2142
 2143
 2144
 2145
 2146
 2147
 2148
 2149
 2150
 2151
 2152
 2153
 2154
 2155
 2156
 2157
 2158
 2159
 2160
 2161
 2162
 2163
 2164
 2165
 2166
 2167
 2168
 2169
 2170
 2171
 2172
 2173
 2174
 2175
 2176
 2177
 2178
 2179
 2180
 2181
 2182
 2183
 2184
 2185
 2186
 2187
 2188
 2189
 2190
 2191
 2192
 2193
 2194
 2195
 2196
 2197
 2198
 2199
 2200
 2201
 2202
 2203
 2204
 2205
 2206
 2207
 2208
 2209
 2210
 2211
 2212
 2213
 2214
 2215
 2216
 2217
 2218
 2219
 2220
 2221
 2222
 2223
 2224
 2225
 2226
 2227
 2228
 2229
 2230
 2231
 2232
 2233
 2234
 2235
 2236
 2237
 2238
 2239
 2240
 2241
 2242
 2243
 2244
 2245
 2246
 2247
 2248
 2249
 2250
 2251
 2252
 2253
 2254
 2255
 2256
 2257
 2258
 2259
 2260
 2261
 2262
 2263
 2264
 2265
 2266
 2267
 2268
 2269
 2270
 2271
 2272
 2273
 2274
 2275
 2276
 2277
 2278
 2279
 2280
 2281
 2282
 2283
 2284
 2285
 2286
 2287
 2288
 2289
 2290
 2291
 2292
 2293
 2294
 2295
 2296
 2297
 2298
 2299
 2300
 2301
 2302
 2303
 2304
 2305
 2306
 2307
 2308
 2309
 2310
 2311
 2312
 2313
 2314
 2315
 2316
 2317
 2318
 2319
 2320
 2321
 2322
 2323
 2324

[illegible]

गणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

(Faint handwritten notes at the bottom of the page)

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

मन्त्रं पठति स तु यथापि सुखं प्राप्नुयान्

[Faint handwritten text across the bottom margin]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

॥ अथ भगवत्पुत्रोक्तं ॥
 ॥ अथ भगवत्पुत्रोक्तं ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

21

[illegible][illegible][illegible]

ལྟོན་པ། གང་ཡང་མཁས་ཤིང་བཅོམ་པ་ཕྱད་པ་མི་ལ་ཤེས་པ་དེ་ཆུང་པ་ཅད་ཀྱི། དེ་གི་མཁས་པ་རྒྱ་ལ་འཇུག་པ་ཆེན་པོ་ཞིག་ཏུ་བསྐྱེད་པ་ལྟོན་པ། སྐུ་མཁས་པ་ཞིག་ཏུ་བསྐྱེད་པ་ལྟོན་པ།

५५। *[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]*

[Faint handwritten text, likely bleed-through from the reverse side.]

21. 2. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten text across the bottom margin]

[Faint handwritten Devanagari script]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टादशोऽध्यायः ॥

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

卷之五

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五

2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

537

5173



卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

12-5-1945

[illegible]

ॐ

। अहं जेन वसुधा वसुधा कुरुते दधामि सुखं । नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

क. प. वि. अ. वि. अ. वि.

॥ पद्मार्जुन संन्यासोपनिषद्सु ब्रह्मसूत्रम् ॥

[illegible]

91

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

| | | |
|--|--|--|
| | | |
|--|--|--|

124351

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

འཛིན་པུ་ཡུལ་མཁའ་མཁའ་།

Figure 1

गुणसुन्दरः पञ्चसूत्रः पञ्चसूत्रः पञ्चसूत्रः

३६ गम २२: १००५ प १००५ ३५ ५०५ ५०५

सर्वज्ञः सर्वशक्तिः सर्वेश्वरः सर्वभूतहितैश्वर्यवान् सर्वलोकपालः सर्वद्वन्द्वविनाशकः सर्वपापहर्त्रा सर्वकलहप्रणालः सर्वदुःखहर्त्रा सर्वकष्टप्रणालः सर्वदुष्टप्रणालः सर्वदुर्गप्रणालः सर्वदुर्गप्रणालः सर्वदुर्गप्रणालः

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཨོཾ་པདྨ་ལྷ་མོ་པདྨ་ལྷ་མོ།

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पदार्थः एतन्महत्त्वं नैव भवति ॥ १५ ॥ अत्र न चैवमस्ति ॥ १६ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सुखदुःखं भवत्येव

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

3545

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

১০৩৬৪১

131

1951

DATE: 10/10/1964

॥ द्वापरायुगं समाप्तम् ॥

473/2 43 JUN 21 1968

पुस्तकालय

1981

1550

17 JUL 1961

507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000

इत्यथरुद्रपुत्रपदं च

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

0-921

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

दशमस्य चतुर्थस्य च

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

44-38861-5531-554

[illegible]

0574-7429/97/0000-0000\$05.00/0

महाराष्ट्र शासन, न्याय विभाग, मुंबई

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of Sanskrit or Hindi script.]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.)

[illegible][illegible]

[illegible]

१. अथ यत्किंचिदप्युच्यते । तदा तत्रैव निश्चितं भवेत् ।
 २. अथ यत्किंचिदप्युच्यते । तदा तत्रैव निश्चितं भवेत् ।
 ३. अथ यत्किंचिदप्युच्यते । तदा तत्रैव निश्चितं भवेत् ।
 ४. अथ यत्किंचिदप्युच्यते । तदा तत्रैव निश्चितं भवेत् ।
 ५. अथ यत्किंचिदप्युच्यते । तदा तत्रैव निश्चितं भवेत् ।
 ६. अथ यत्किंचिदप्युच्यते । तदा तत्रैव निश्चितं भवेत् ।
 ७. अथ यत्किंचिदप्युच्यते । तदा तत्रैव निश्चितं भवेत् ।
 ८. अथ यत्किंचिदप्युच्यते । तदा तत्रैव निश्चितं भवेत् ।
 ९. अथ यत्किंचिदप्युच्यते । तदा तत्रैव निश्चितं भवेत् ।
 १०. अथ यत्किंचिदप्युच्यते । तदा तत्रैव निश्चितं भवेत् ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीनारायणस्तोत्रम् ॥
 १। नमोऽस्तु ते नारायण ॥ त्वत्कृपायां प्रसीदतां मुनिभिर्भक्तैश्च
 २। त्वत्कृपायां प्रसीदतां मुनिभिर्भक्तैश्च ॥ त्वत्कृपायां प्रसीदतां मुनिभिर्भक्तैश्च
 ३। त्वत्कृपायां प्रसीदतां मुनिभिर्भक्तैश्च ॥ त्वत्कृपायां प्रसीदतां मुनिभिर्भक्तैश्च
 ४। त्वत्कृपायां प्रसीदतां मुनिभिर्भक्तैश्च ॥ त्वत्कृपायां प्रसीदतां मुनिभिर्भक्तैश्च
 ५। त्वत्कृपायां प्रसीदतां मुनिभिर्भक्तैश्च ॥ त्वत्कृपायां प्रसीदतां मुनिभिर्भक्तैश्च
 ६। त्वत्कृपायां प्रसीदतां मुनिभिर्भक्तैश्च ॥ त्वत्कृपायां प्रसीदतां मुनिभिर्भक्तैश्च
 ७। त्वत्कृपायां प्रसीदतां मुनिभिर्भक्तैश्च ॥ त्वत्कृपायां प्रसीदतां मुनिभिर्भक्तैश्च
 ८। त्वत्कृपायां प्रसीदतां मुनिभिर्भक्तैश्च ॥ त्वत्कृपायां प्रसीदतां मुनिभिर्भक्तैश्च
 ९। त्वत्कृपायां प्रसीदतां मुनिभिर्भक्तैश्च ॥ त्वत्कृपायां प्रसीदतां मुनिभिर्भक्तैश्च
 १०। त्वत्कृपायां प्रसीदतां मुनिभिर्भक्तैश्च ॥ त्वत्कृपायां प्रसीदतां मुनिभिर्भक्तैश्च

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

| | |
|-----|-----|
| 247 | 248 |
|-----|-----|

[illegible]

संस्कृत-विश्वकोष

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१५४३

[illegible]

ॐ । सुदृष्टे धृतिरतिपथरे सुमयविषयस्य सुदृष्टमये ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
सर्वभूतहितं कुरुते मया ।
सर्वभूतहितं कुरुते मया ।
सर्वभूतहितं कुरुते मया ।
सर्वभूतहितं कुरुते मया ।
सर्वभूतहितं कुरुते मया ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
सर्वभूतहितं कुरुते मया ।
सर्वभूतहितं कुरुते मया ।
सर्वभूतहितं कुरुते मया ।
सर्वभूतहितं कुरुते मया ।
सर्वभूतहितं कुरुते मया ।



五

[illegible]

(The following text is written vertically along the right margin of folio 8v, likely serving as a commentary or additional notes related to the main manuscript's content.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a collection of Sanskrit or Tibetan script arranged in vertical columns.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

明倫彙編

[illegible]

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

Handwritten text in a historical script, likely Devanagari, arranged in approximately 12 horizontal lines within a rectangular frame. The text is dense and appears to be a continuous passage or a list of items.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

12

5

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ सुप्रसन्नोऽसौ भगवान्वासी ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ ॥ यथा यत्तु यत्तु ॥ यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु ॥

卷之四

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

21
22
23
24
25

[illegible]

[illegible]

91

[illegible][illegible]

[Faint handwritten script in Devanagari style, likely from a manuscript.]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1357

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

九

25

3

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faded and largely illegible due to extreme blur and low contrast.)

卷之四

(The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

此庄

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

251

[illegible]

卷四

卷

[illegible][illegible][illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

Handwritten text in Urdu script, likely a title or header, spanning the width of the page.

[illegible]

25

[illegible]

[illegible]

卷四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷一

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

127
[...]

...

卷之五

251

1992

23

25

24

॥ दत्तं पुनश्च बद्धपुच्छं पुनश्च दत्तं ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

सुखविधेर्दुःखसुखपरिणामव्यवहारेणैव। न।

॥ अथ द्वादशोऽध्यायः ॥

[illegible]

॥ श्रीगुरुदेव्यो नमः ॥ श्रीगुरुदेव्यो नमः ॥ श्रीगुरुदेव्यो नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीनारायणाय नमः ॥ श्रीविक्रमाय नमः ॥ श्रीसुभाय नमः ॥ श्रीशान्ताय नमः ॥ श्रीविष्णवे नमः ॥ श्रीब्रह्मणे नमः ॥ श्रीमहेश्वराय नमः ॥ श्रीशिवाय नमः ॥ श्रीपार्वत्याय नमः ॥ श्रीलक्ष्म्याय नमः ॥ श्रीकल्याणाय नमः ॥ श्रीवैष्णवाय नमः ॥ श्रीभक्त्याय नमः ॥ श्रीप्रेमाय नमः ॥ श्रीशुभाय नमः ॥ श्रीसुखाय नमः ॥ श्रीमोक्षाय नमः ॥ श्रीनमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

[illegible]

[illegible]

501

[illegible]

पुनः प्रविष्टः सन् विना त्रयैरनुकूलैः प्रभुः

1895

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 84

सुखमुखाय नमः सुखमुखाय नमः सुखमुखाय नमः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

五、《说文解字》

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥

[illegible]

K

— ११५ —

卷之五

1824

107

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ

ॐ

[illegible]

4/19/54

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

1991

[illegible][illegible][illegible][illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

॥ अथ शिवसंज्ञायाः प्रमाणम् ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ शिवो यः सर्वभूतहिते रतः ॥ ॥ त्रिमूर्तिर्यत्र ब्रह्मा विष्णु महेश्वरः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

not

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णाय नमः ।
 श्रीरामाय नमः ।
 श्रीबाल्याय नमः ।
 श्रीनारायणाय नमः ।
 श्रीहनुमान्ताय नमः ।
 श्रीजगन्नाथाय नमः ।
 श्रीशिवाय नमः ।
 श्रीभक्तानन्दाय नमः ।
 श्रीपद्माय नमः ।
 श्रीलक्ष्मीाय नमः ।
 श्रीगङ्गाय नमः ।
 श्रीसागराय नमः ।
 श्रीधर्मराजाय नमः ।
 श्रीविष्णवे नमः ।
 श्रीब्रह्माय नमः ।
 श्रीमहादेवाय नमः ।
 श्रीमहेश्वराय नमः ।
 श्रीमहामायाय नमः ।
 श्रीमहात्म्याय नमः ।
 श्रीमहाकाशाय नमः ।
 श्रीमहाप्रज्ञाय नमः ।
 श्रीमहाशक्तिाय नमः ।
 श्रीमहायोगिन्याय नमः ।
 श्रीमहासत्त्विकाय नमः ।
 श्रीमहातैत्तिरीयाय नमः ।
 श्रीमहासूक्तिके नमः ।
 श्रीमहासंनिपादके नमः ।
 श्रीमहासंस्कृतिके नमः ।
 श्रीमहासंस्कृतिके नमः ।
 श्रीमहासंस्कृतिके नमः ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

107
2000
[ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥]

15

[illegible]

3

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । सुखं हि देवताभिः प्रदत्तम् ।
 अथ यथा श्रद्धायाः प्रमाणं तथैव । इति श्रीभक्तिसिद्धन्त-
 र्नामकं पञ्चमस्कन्धं समाप्तम् । ॥ ५ ॥

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

७३ । [The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीशिवाय नमः ॥ श्रीब्रह्माय नमः ॥ श्रीविष्णवे नमः ॥ श्रीदेवताय नमः ॥ श्रीमानुष्याय नमः ॥ श्रीप्रेतलोकस्थेनृपते नमः ॥ श्रीसर्वलोकाय नमः ॥ श्रीसर्वभूतानामात्मने नमः ॥ श्रीसर्वधर्मपालके नमः ॥ श्रीसर्वकल्याणकारिणे नमः ॥ श्रीसर्वदुःखनाशके नमः ॥ श्रीसर्वसुखदात्रे नमः ॥ श्रीसर्वपापहरिणे नमः ॥ श्रीसर्वविघ्ननाशके नमः ॥ श्रीसर्वप्रसन्नकरिणे नमः ॥ श्रीसर्वसौख्यदात्रे नमः ॥ श्रीसर्वसम्पत्तिदात्रे नमः ॥ श्रीसर्वसुखसागरिणे नमः ॥ श्रीसर्वसुखसागरिणे नमः ॥ श्रीसर्वसुखसागरिणे नमः ॥

[illegible]

[illegible]

257

[illegible][illegible]

[The following text is highly faded and mostly illegible due to significant fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ दशमस्कन्धे श्री कृष्णार्जुनसंवादे श्री कृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ दशमस्कन्धे श्री कृष्णार्जुनसंवादे श्री कृष्ण उवाच ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ दशमस्कन्धे श्री कृष्णार्जुनसंवादे श्री कृष्ण उवाच ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ दशमस्कन्धे श्री कृष्णार्जुनसंवादे श्री कृष्ण उवाच ॥

॥ अन्तः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

५१) विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ श ॥ प्रह ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

100
101
102

157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850
851
852
853
854
855
856
857
858
859
860
861
862
863
864
865
866
867
868
869
870
871
872
873
874
875
876
877
878
879
880
881
882
883
884
885
886
887
888
889
890
891
892
893
894
895
896
897
898
899
900
901
902
903
904
905
906
907
908
909
910
911
912
913
914
915
916
917
918
919
920
921
922
923
924
925
926
927
928
929
930
931
932
933
934
935
936
937
938
939
940
941
942
943
944
945
946
947
948
949
950
951
952
953
954
955
956
957
958
959
960
961
962
963
964
965
966
967
968
969
970
971
972
973
974
975
976
977
978
979
980
981
982
983
984
985
986
987
988
989
990
991
992
993
994
995
996
997
998
999
1000

[illegible]

ॐ ॥ सुप्रसन्नमनसो भूत्वा सर्वत्र भगवत्पदं ध्यायेत् ॥ १ ॥
 सुप्रसन्नमनसो भूत्वा सर्वत्र भगवत्पदं ध्यायेत् ॥ २ ॥
 सुप्रसन्नमनसो भूत्वा सर्वत्र भगवत्पदं ध्यायेत् ॥ ३ ॥
 सुप्रसन्नमनसो भूत्वा सर्वत्र भगवत्पदं ध्यायेत् ॥ ४ ॥
 सुप्रसन्नमनसो भूत्वा सर्वत्र भगवत्पदं ध्यायेत् ॥ ५ ॥
 सुप्रसन्नमनसो भूत्वा सर्वत्र भगवत्पदं ध्यायेत् ॥ ६ ॥
 सुप्रसन्नमनसो भूत्वा सर्वत्र भगवत्पदं ध्यायेत् ॥ ७ ॥
 सुप्रसन्नमनसो भूत्वा सर्वत्र भगवत्पदं ध्यायेत् ॥ ८ ॥
 सुप्रसन्नमनसो भूत्वा सर्वत्र भगवत्पदं ध्यायेत् ॥ ९ ॥
 सुप्रसन्नमनसो भूत्वा सर्वत्र भगवत्पदं ध्यायेत् ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

॥ अथ मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मन्त्रः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 8

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[Faint handwritten notes or bleed-through from the reverse side of the page.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and low contrast.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of a liturgical or philosophical treatise.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । १ । २ । ३ । ४ । ५ । ६ । ७ । ८ । ९ । १० । ११ । १२ । १३ । १४ । १५ । १६ । १७ । १८ । १९ । २० । २१ । २२ । २३ । २४ । २५ । २६ । २७ । २८ । २९ । ३० । ३१ । ३२ । ३३ । ३४ । ३५ । ३६ । ३७ । ३८ । ३९ । ४० । ४१ । ४२ । ४३ । ४४ । ४५ । ४६ । ४७ । ४८ । ४९ । ५० । ५१ । ५२ । ५३ । ५४ । ५५ । ५६ । ५७ । ५८ । ५९ । ६० । ६१ । ६२ । ६३ । ६४ । ६५ । ६६ । ६७ । ६८ । ६९ । ७० । ७१ । ७२ । ७३ । ७४ । ७५ । ७६ । ७७ । ७८ । ७९ । ८० । ८१ । ८२ । ८३ । ८४ । ८५ । ८६ । ८७ । ८८ । ८९ । ९० । ९१ । ९२ । ९३ । ९४ । ९५ । ९६ । ९७ । ९८ । ९९ । १०० ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the same type of religious or philosophical discourse found in the first section.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

40

[illegible]

[illegible]

521

432

25

974

1997

652

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

འཕྲུལ་པའི་པར་ལས། བརྟེན་པུ་མ་མེས་མི་དཔལ་རྒྱལ་

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

दशमस्कन्धे मन्दोपाख्ये अष्टमोऽध्यायः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सुदृढमयसकवेदविभवावरदगदमविभवासा।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

— 1 —

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

संस्कृत-संज्ञा-सूचिका

५ अक्षय सुहृद नमस्तेन। ३६

1890

[illegible]

20

|རང་དང་ལྟོགས་པ་བེད་ནི་མག་མོ་ལ་འཁྱུད་པ། སྒྲིབ་གནས་རྣམས་སུ་དཔལ་པོ་དང་དཔལ་མོ་བཞི་བརྒྱའི་བརྒྱད། ། སངས་རྒྱལ་རྒྱུད་མཉམ་ཤིག་པའི་སྐུ་མོ་གྲངས་ལོན་པ་དང་ཚས་པ་འཕོད་པར་གྱུར་

100



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[Faint handwritten text in Devanagari script]

[illegible][illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is highly faded and largely illegible due to extreme blur and low contrast.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि सारथा मया ।
 द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि सारथा मया ।
 पाण्डव उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि सारथा मया ।

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to be a continuous passage of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to contain multiple lines of handwritten script.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

40

॥ अथ कथं गच्छेत् ॥

五言古詩

॥ ईशानाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ अथ चतुर्दशोऽध्यायः ॥

22

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

पुष्पस्य पद्मस्य वक्रस्य देव्यो जयति देव्यो जयति वक्रस्य पद्मस्य देव्यो जयति वक्रस्य पद्मस्य देव्यो जयति

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

भारत सरकार
१९५१

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

पुनर्दणमिदं विद्वत्पुत्रादयः

॥ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥

विष्णु चैव नमः॥

हृदयस्य तद्वत्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

॥ इत्युक्तं ॥

1525402741

॥ अथ गणपति स्तोत्र ॥

॥ गुरुदेव प्रणमः ॥ गुरुदेवः ॥

॥ ५५ ॥ अथ श्रुत्वा हर्षितः ॥

॥ श्रीगुरुदेव्यै नमः ॥

1575

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

༡༣༧༩ རུང་མེད་དང་རྒྱ་རུང་མེད་ཀྱི་པུ་ཤི་ལྟེ།

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ पापे राक्षसं दह के वीर अहम् ॥

॥ इन्द्राग्निः सोमः पूषः शक्रः ॥
॥ इन्द्राग्निः सोमः पूषः शक्रः ॥

2000

विष्णुसहस्रनाम

[illegible]

पदार्थस्यैव सत्त्वमयस्य

दण्डिपुत्रेण च

आमरपुद्गलद्वयशुभम्

पुनः पुनरुक्तं यथा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

STAY IN CONTROL

१ पुनरेवमुक्तं कथं दद

॥ यत्किंचिदप्युच्यते ॥

॥ १० ॥

दुर्गा दुर्गा दुर्गा

1. 1925-1926

विद्यया विमुक्तये

1054-56-2

[illegible]

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之五

[The following text is highly degraded and illegible due to extreme blurring and noise.]

[illegible]

— ५५५ —

(Faint handwritten text from another manuscript page)

[illegible]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

देवता की दृष्टि में वषट्कार का अर्थ है

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

यद्वैतस्य यथास्तु विद्यते तदपि नाना रूपेण दृश्यते यथा यन्मित्रं यत्प्रियं यद्विदुः शत्रुं यदात्मनो यदात्मनि यदात्मना यदात्मने यदात्मनो यदात्मनि यदात्मना यदात्मने यदात्मनो यदात्मनि यदात्मना यदात्मने

五、六、七、八、九、十、十一、十二、十三、十四、十五、十六、十七、十八、十九、二十、二十一、二十二、二十三、二十四、二十五、二十六、二十七、二十八、二十九、三十、三十一、三十二、三十三、三十四、三十五、三十六、三十七、三十八、三十九、四十、四十一、四十二、四十三、四十四、四十五、四十六、四十七、四十八、四十九、五十、五十一、五十二、五十三、五十四、五十五、五十六、五十七、五十八、五十九、六十、六十一、六十二、六十三、六十四、六十五、六十六、六十七、六十八、六十九、七十、七十一、七十二、七十三、七十四、七十五、七十六、七十七、七十八、七十九、八十、八十一、八十二、八十三、八十四、八十五、八十六、八十七、八十八、八十九、九十、九十一、九十二、九十三、九十四、九十五、九十六、九十七、九十八、九十九、一百。

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

185

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines, written from right to left. The ink is dark brown or black, and the paper appears aged and slightly discolored. The handwriting is cursive and fluid, characteristic of traditional Indian scripts.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

不刊

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँक्षन्तः मामकाः पाण्डवाश्चैव । तदा द्रुपद उवाच ।
अस्माकं पाण्डुपुत्रो विराट् भीमार्जुनसह ।
द्रुपद उवाच । अस्माकं पाण्डुपुत्रो विराट् भीमार्जुनसह ।
द्रुपद उवाच । अस्माकं पाण्डुपुत्रो विराट् भीमार्जुनसह ।

हे विष्णो नमो भगवते वासुदेवाय । हे कृष्णाय नमः ॥ १ ॥
 हे श्यामाय नमः ॥ २ ॥ हे गोपाय नमः ॥ ३ ॥ हे मधुपानाशनाय नमः ॥ ४ ॥
 हे चामुण्डाय नमः ॥ ५ ॥ हे ललाटे नमः ॥ ६ ॥ हे वन्द्ये नमः ॥ ७ ॥
 हे सुहृदये नमः ॥ ८ ॥ हे प्रिये नमः ॥ ९ ॥ हे शशिने नमः ॥ १० ॥
 हे अर्जुनके नमः ॥ ११ ॥ हे धर्मराजे नमः ॥ १२ ॥
 हे पांडवे नमः ॥ १३ ॥ हे युधिष्ठिराय नमः ॥ १४ ॥
 हे भीष्मसे नमः ॥ १५ ॥ हे द्रुपदाय नमः ॥ १६ ॥
 हे उग्रसेनारक्षसाय नमः ॥ १७ ॥ हे अकूटेश्वरानंदे नमः ॥ १८ ॥
 हे महाकायै नमः ॥ १९ ॥ हे विशालाय नमः ॥ २० ॥
 हे अश्लेषाय नमः ॥ २१ ॥ हे अनन्तरिक्षाय नमः ॥ २२ ॥
 हे अविनाशाय नमः ॥ २३ ॥ हे अमृतं पानेन प्राप्नुयात् ॥ २४ ॥
 हे अमृतं पानेन प्राप्नुयात् ॥ २५ ॥

1991

143

पुनः प्रोक्तं यत्तद्विषयं तस्मै विष्णवे नमः ।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

དེ་ལྟར་མཁས་པ་མེད་པའི་འཕྲོ་མཁའ་ལྟར་

सदस्य कुलचरित्र-उद्घुष्टम्।

[illegible]

11

100

ਸ੍ਰੀ ਮਾਤਾ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ

सर्वत्र विद्यमानं सर्वत्र विद्यमानं

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

1950年12月15日

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥

[illegible]

1900

한글서체

1890

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

吳昌碩

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 कुरुक्षेत्रे संभवत्पुनश्चाह्मरुतमुपासीत ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥
 मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत सजीमिव ॥ १० ॥

[illegible]

25
R
X
B
R

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script across the bottom margin]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

45

附註

2022

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 84

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ अथ शिवस्य वचनम् ॥

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

वसुधैव कुटुम्बकम् । वसुधैव कुटुम्बकम् । वसुधैव कुटुम्बकम् । वसुधैव कुटुम्बकम् । वसुधैव कुटुम्बकम् ।

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a signature or a name, written in dark ink on a light-colored background.

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

231

[illegible]

[illegible]

21

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

अथ यत्तु न पठितं तदाह

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a historical document or manuscript.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

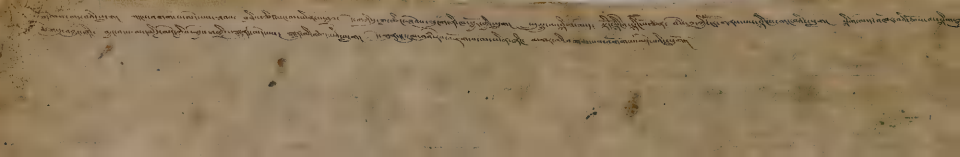
21

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1. The first part of the paper is devoted to a general discussion of the problem of the existence of a solution of the system of equations (1) for arbitrary values of the parameters α and β . It is shown that the system has a solution for arbitrary values of the parameters α and β if and only if the condition $\alpha + \beta = 1$ is satisfied.



13/12/27

[Illegible text]

১৯৫৩

[illegible]

2024

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

19

[illegible]

[illegible]

52

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



। अथ यथा यथा यथा यथा । अथ यथा यथा यथा यथा । अथ यथा यथा यथा यथा । अथ यथा यथा यथा यथा । अथ यथा यथा यथा यथा ।

分

[illegible]

[illegible]

सुभाष

[illegible]

[illegible]

[illegible]

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

23

904

[illegible]

[illegible]

39

50

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blur and low contrast.)

[illegible]

25

卷之六

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten text at the bottom of the page)

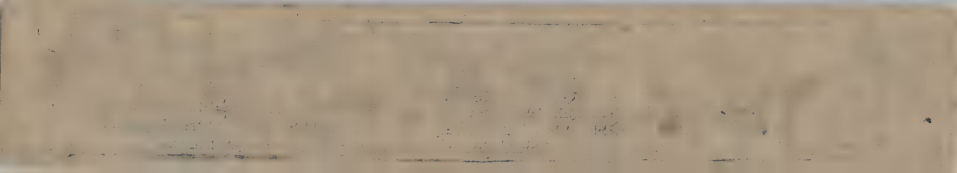
[illegible]

ॐ । मे भद्रमयि निगमय भद्रमयि भु । वयदरेखददये मे भद्रमयि निगमय भद्रमयि भु । वयदरेखददये मे भद्रमयि निगमय भद्रमयि भु । वयदरेखददये मे भद्रमयि निगमय भद्रमयि भु ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1991

[illegible][illegible]

[Faint handwritten Devanagari script]

[illegible][illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । सुप्रसन्नचित्तः प्रपद्ये त्वं शरणम् ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

10

[illegible]

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । श्रीगणेशाय नमः ।

[illegible][illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[Faint handwritten text at the top of the page]

[illegible]

991

॥ पञ्चमः स्कन्धः ॥

1975

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

921

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of a historical or administrative document.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

407

[illegible]

943554

गोदहृत्पदपयवर्षिकपुत्रं

५२८ सुअद्वयमर्दे

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be handwritten or printed Indic script.)

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



५७

ॐ । कः अः श्री देवु गाय ह्ये मुकु । परिदपययपेरये सुख परिदुष्यपुंरय गाय स दय गीत । दपय दे दे मापवर्णे दद ।
 मापवर्णे कुमर्के रे कु दय स व पु दप मुर । सुपु रये धे स स ठ द प रे मर्के र म वे के म वे रे के म व म र पु र्वे । दे य स वी य स द द दे स शुभ य ले म स य
 वे दे द प रे पु र म र म वे कु म र ये द प व पु व म र व पु र वि र । सुपे म र ये द क य व द म के म र्के म व य म र्के । । दे य सु स वी कु व मी द य म पुं र द द व ये य
 म र सु द स ले रे व ह म पी क र म । म व म र म के म पु म म पी स य द म पुं र पु म म के म स य म र्के । पु द म र पुं र सु स व । द प य म र
 म र्के कु म र्के य स । के स य कु र द दे पु द म र हु । म र्के पु र दे के स य हु व ले । शुभ वे दे द य म पुं र द य स पुं र म वी । व व द य स म र्के र



५८

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

1991
[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

(Faint handwritten text, likely bleed-through from the reverse side of the page)

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a collection of Sanskrit or Hindi verses arranged in approximately six horizontal rows.]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

༡༥ རྟེན་མཆོག་གི་རྒྱུག་ལ་མེམ་རྒྱལ་ལ་བུའི་རྟེན་དེའི་བྲིད་ཡིག་ལ་ཁྱུག་ལ་མོ།

[illegible]

༡༥ དེའི་ཚུལ་གྱི་རྒྱུ་ལས་རིམ་རྒྱུ་ལ་འབྱུང་ཆེན་པོའི་བྱིད་ཀྱིས་འཁྱུག་པ་སྟོན།



[illegible]

[illegible]

1234

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

43

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

८७१। इयमपदेऽर्द्धेनद्विभक्त्याऽपिद्विधायाप्युक्तमस्ति॥

2

2



[illegible]

[illegible]

१. ह्यहोर्द्वयं न संवाच्यम् ॥

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५३ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ वंद्योऽयं भगवन् श्रीगुरुदेवः ॥

155

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः । अहं हि परमो भक्तः किमिच्छामि धर्मं यद्विधिः । तद्विधिं तदाकरोमि ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः । अहं हि परमो भक्तः किमिच्छामि धर्मं यद्विधिः । तद्विधिं तदाकरोमि ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from another page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ अथ नमो भगवते वासुदेवाय । इत्येकं श्लोकं पठन्नाह । प्रणम्य भगवत्पदौ च । ततः सर्वपापानां क्षमायास्तु । अथैकं श्लोकं पठन्नाह । इति श्रीभक्तिसहितप्रबोधनसंग्रहे ।

[illegible]

[illegible]

50

१. मृदु स्वर ध्वनि से शुरुआत करें।

1994年12月24日

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

Handwritten text in a single column, enclosed within a rectangular border. The script is a historical form of Indic script, possibly Grantha or Tamil, and appears to be a religious or philosophical treatise. The text is densely packed and spans approximately 10 lines within the frame.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit script.]

[illegible]

ॐ । दूधशर्करादेस्तुभ्यमर्पितुमुद्यमेति ॥ नमोस्तुभ्यै ॥

25

⑤

अथ न पत्रदवर्द्धवर्द्ध!

सुखदुःखसंज्ञायाः

सुख परमार्थेद यथा

[illegible]

1243

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतासु अष्टमोऽध्यायः ॥

पुनः सायं चैतन्यं प्रसन्नं भवति

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

འཕྲིན་ལཱ་ཡོད་པ་ལྟ་བུ་མཆོད་པ།

दृष्टव्यं यत्परिदोषोऽपरेषु चैव यत्कर्मसमर्पितं तस्यैव

[illegible]

ਸਿੰਘ ਪੁਰਖਿ ਆਖਾਇ ਰਹਿ ਆਏ।

सुखं भवति यदा यदा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

सुमदर सुकन्यपुत्र उक्तवत्

[illegible]

पुस्तक संख्या

॥ अथ द्वाविंशोऽध्यायः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पुष्पाक्षरपत्रम्

51

देवदत्तविश्वकोश

सुखसाधनेन सुखसुखसाधनेन

॥ अथ पञ्चमः ॥

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 एतद्भक्त्यारम्भं कुरुते ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां
 युधिष्ठिर उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता संजनाः ॥ सँश्रितस्तथा आचार्याः
 तथैव च पाण्डवाः । ॥ सर्वैश्च समाबलिः
 सः प्रवृत्त इव ह ॥ १ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ॥ २ ॥

[illegible]

1591

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to consist of several lines of handwritten script.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

991

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

विष्णुसूक्तम्

1959

TR 2451

संस्कृत-विश्व-कोश

३३-विष्णुसहस्रनाम

१५५२२५ १५५२२५ १५५२२५ १५५२२५ १५५२२५

इस पुस्तक में विद्वानों के विचारों के अलावा अन्य विचारों का भी उल्लेख है।

ॐ श्री गुरु नमः ॥ श्री गुरु नमः ॥ श्री गुरु नमः ॥ श्री गुरु नमः ॥ श्री गुरु नमः ॥

मसिद्धमन्त्रमुद्रादिभिः

परमेश्वरस्य चित्तस्य परमेश्वरस्य

इदं प्रतिपादयति । इत्यस्यैव दशमपदीति चोक्तं । इदं प्रतिपादयति ।

दा ... स्त्रियः कृत्यमस्तु

45529 45530

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ५५ ॥

विद्यया एव ज्ञेयं ज्ञेयं ज्ञेयं ज्ञेयं

1945年12月1日

5. 2. 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 8

सत्यमेव जयते

मार्गदर्शक

पुष्पसुन्दरः श्रीगुरुः

इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः समाप्तः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

गणेशाय नमः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

देवधर्मेदसमोऽथ च नृणां देवपुत्राणां यथा

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible][illegible]

NOV 9 1968

[illegible]

[illegible]

बुद्धसुखं जगत् समस्तम् । तदप्यवर्तते सर्वं सुखं प्रणयिष्ये नमो भद्रं कुरु सर्वान् ।
 तेनैव सुखं ॥ सुखम् ॥ सुखम् ॥